नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं इंडियन ब्रायलर ग्रुप राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़) के मध्य समझौता ज्ञापन दस्तावेज अनुबंधित हुआ

Dr. R.K Jaiswal, IB Group exchanging MOU with Prof (Dr.) P.D. Juyal, Hon'ble Vice Chancellor of Nanaji Deshmukh Veterinary Science University, Jabalpur (M.P)

जबलपुर। विगत दिवस दिनांक 22 जून 2019 को इंडियन ब्रायलर ग्रुप, राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़, में **''प्रेरणा दिवस''** का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इसी के अंर्तगत माननीय श्री गिरिराज सिंह, केंन्द्रीय पशुपालन, मत्स्य, डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता एवं माननीय, श्री बहादुर अली, प्रबंध निर्देशक एवं डॉ. रविन्द्र जायसवाल, प्रबंध संचालक, आई.बी.ग्रुप की उपस्थिति में मध्यप्रदेश का एकमात्र नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) एवं इंडियन ब्रायलर ग्रुप (आई.बी.ग्रुप) छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगाँव में स्थित भारत के बहु–वर्गीय व्यवसायिक समूहों में एक है। जिसकी वार्षिक बिक्री (टर्नओवर) 6000 करोड़ रूपयों से भी अधिक है। राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़ (दो पक्षों) के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुये। इस अवसर पर वी.यू. के माननीय डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, कुलपति जी एवं वि.वि. के प्रशासनिक एवं संचालकगण एवं स्नातकोत्तर छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस समझौता ज्ञापन से दोनों पक्ष आपस में लाभान्वित होगें, जिसमें मुर्गीपालन व पशुपालन के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी हस्तातंरण एवं मुर्गीपालन एवं पशुपालन व्यवसाय से जुड़े विभिन्न विषयों जैसेः– पशु रोग व व्याधि नियंत्रण, पशुपोषण, आधुनिक कुक्कट पालन तकनीकी का उपयोग, इंडियन ब्रायलर ग्रुप में उपलब्ध मुर्गीपालन व पशुपालन से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं का

निवारण, वी.यू. के द्वारा अनुसंधान कार्यों से किया जावेगा। इस तारतम्य में हमारे विश्वविद्यालय के छात्र–छात्रायें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समय–समय पर व्यवसायिक केंन्द्र पर भ्रमण एवं अपने कौशल विकास से ज्ञान में वृद्धि कर लाभान्वित होगें। इस प्रकार यह समझौता ज्ञापन (एम.ओ. यू.) दोनों पक्षों के लिये भविष्य में लाभदायी सिद्ध होगा।

इस अवसर पर माननीय डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर एवं अपनी टीम के साथ इंडियन ब्रायलर ग्रुप का विस्तारिक रूप से भ्रमण व अवलोकन किया तथा इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में विचार व्यक्त करते हुये कहा कि व्यवसायिक मुर्गीपालन व पशुपालन के क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं का हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के माध्यम से उनका यथा समय निदान किया जायेगा।

आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस एम.ओ.यू. के माध्यम से दोनों पक्ष नित नये–नये आयामों को क्रियान्वित करते हुये, उन्नति के शिखर की ओर अग्रसर होगें।

सूचना एवं जनसपंर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)